पाठ 5. नीलकंठ

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में तदनुरूपता संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे अपरिचित परिस्थितियों में जीवन को समझने में सक्षम हो सकें। यह पाठ महादेवी वर्मा द्वारा संस्मरणात्मक शैली में लिखा गया है। जीव-जंतुओं के प्रति लगाव व उनपर स्नेह की बौछार करना मानव का कर्तव्य होना चाहिए। लेखिका ने इस पक्ष को विशेष रूप से उभारा है।

पाठ का सार

एक बार स्टेशन से लौटते वक्त लेखिका ने बड़े मियाँ की दुकान से मोर के दो बच्चों को खरीद लिया तथा उन्हें अपने घर ले आईं। धीरे-धीरे मोर के बच्चे लेखिका से घुल-मिल गए। लेखिका को डर रहता कि कहीं उनकी पालतू बिल्ली चित्रा उन दोनों को मार न डाले। कुछ दिनों बाद लेखिका ने उनको अपने कमरे से निकालकर जाली के बड़े घर में पहुँचा दिया। वहाँ लक्का कबूतर, तोते तथा खरगोश पहले से ही मौजूद थे। उन्होंने मिलकर मोर के बच्चों का स्वागत किया। धीरे-धीरे दोनों बच्चे बड़े होने लगे। लेखिका ने मोर का नाम 'नीलकंठ' तथा मोरनी का नाम 'राधा' रखा। पता नहीं कब नीलकंठ ने अपने आपको चिड़ियाघर का सेनापति बना लिया। कोई कुछ भी गड़बड़ करता तो नीलकंठ अपनी चोंच से उसपर हमला करता। नीलकंठ ने चिड़ियाघर का सारा वातावरण प्रेम और स्नेह से भर दिया। यह देखकर लेखिका मन ही मन प्रफुल्लित होती रहतीं।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  संस्मरण से पूर्व महादेवी जी के व्यक्तित्व व उनके इसी प्रकार के अन्य किसी संस्मरण या इसी संस्मरण के व्यापक रूप की चर्चा बच्चों के साथ करें। संस्मरण में बच्चों के लिए नये शब्द संख्या में अपेक्षाकृत अधिक होने के कारण शब्दार्थ पहले भी अलग से लिखाए व बताए जा सकते हैं। मोर की स्वभावगत विशेषताओं के बारे में चर्चा करें। जीव-जंतुओं के प्रति मानवीय व्यवहार की चर्चा विशेष रूप से करें।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 79** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य व्याकरण एवं रचना पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - वाक्यांश के लिए एक शब्द प्रयुक्त करने का क्या औचित्य है, यह समझाएँ।
  - समास के बारे में उदाहरणसहित समझाएँ। कर्मधारय व बहुब्रीहि में अंतर स्पष्ट करें। 'नीलकंठ' शब्द का प्रयोग पाठ में व्यक्तिवाचक संज्ञा के रूप में हुआ है लेकिन समास की दृष्टि से इसका शाब्दिक अर्थ ही ध्यान में रखना है, यह अवश्य बताएँ।
  - श्रुतिसमभिन्नार्थक या समरूपी भिन्नार्थक शब्दों की परिभाषा उदाहरणसहित समझाएँ। वाक्य प्रयोग द्वारा ऐसे शब्दों के अर्थ स्पष्ट किए जा सकते हैं।

- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - किसी पशु-पक्षी जगत से संबंधित कोई वृत्तचित्र कक्षा में दिखाएँ। उसके आधार पर बच्चों से प्रश्न तैयार करवाएँ।

- पशु-पक्षियों के बारे में विशेष जानकारी देने के लिए एक सप्ताह के लिए कक्षा में बोर्ड सजाने का काम दिया जा सकता है। जिसमें नई जानकारी जोड़ने वाले बच्चों को प्रोत्साहित किया जाए।